सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

वर्ष : 5
अंक : 54
जुलाई : 2014

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

9 | सम्पादकीय

10 | समसामयिकी घटना संग्रह

12 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

20 | आर्थिक घटना संग्रह

- पीरामल एंटरप्राइजेज ने वोडाफोन की अपनी हिस्सेदारी बेचने की घोषणा की
- भारतीय कम्पनियों द्वारा ब्रिटेन में एक लाख से अधिक नौकरियों का सृजन : रिपोर्ट
- सन फार्मा ने रैनबैक्सी का अधिग्रहण किया

24 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भारत के 15वें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ 45 अन्य मंत्रियों ने शपथ ली
- 16वीं लोक सभा के लिए हुए आम चुनाव 2014 का परिणाम घोषित
- आंध्र प्रदेश विधान सभा चुनाव 2014 का परिणाम घोषित

28 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- चीन के प्रधानमंत्री का अफ्रीका दौरा सम्पन्न
- प्रवासी भारतीय कामगारों हेतु यूएई में महात्मा गांधी प्रवासी सुरक्षा योजना प्रारम्भ
- ओडिशा सरकार ने टीआईई सिलिकॉन वैली के साथ समझौता किया

31 | खेल खिलाड़ी

- एआईबीए ने बॉक्सिंग इंडिया को भारत का प्रतिनिधित्व करने की अनंतिम सदस्य के रूप में मंजूरी दी
- विराट कोहली आईसीसी के एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय रैंकिंग में प्रथम स्थान पर

35 | विज्ञान समाचार

36 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

★ आर्थिक लेख

38 | रिफाइनरी से आएगी खुशहाली

★ समसामयिक लेख

39 | बिम्सटेक : सहयोग की असीम सम्भावनाएं

★ पर्यावरणीय लेख

41 | ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत एवं पर्यावरण संरक्षण

★ कैरियर लेख

42 | आप भी एस.बी.आई. में पी.ओ. बन सकते हैं

86 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता

87 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक 51 का परिणाम

★ पृथ्वी विज्ञान सम्बन्धी सामान्य जानकारी

88 | पृथ्वी विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास–नई ऊँचाइयों की ओर

90 | रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

47 एस.एस.सी. मल्टी टास्किंग (गैर–तकनीकी) स्टाफ भर्ती परीक्षा, 2014 (द्वितीय पाली)

57 आर.आर.सी. इलाहाबाद ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2013

63 आर.आर.सी. गोरखपुर ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2013

68 केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2014 (प्रथम प्रश्न-पत्र : कक्षा I से V तक)

➲ सम्पादक : महेन्द्र जैन

➲ रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

➲ सम्पादकीय ऑफिस
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330, 4031570
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in

➲ दिल्ली ऑफिस
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66

➲ हैदराबाद ऑफिस
1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स
बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद–500 044
फोन– 040-66753330
मो– 09391487283

➲ पटना ऑफिस
पीरमोहनी चौक, कदमकुआँ
पटना–800 003
फोन–0612-2673340
मो–09334137572

➲ कोलकाता ऑफिस
28, चौधरी लेन, श्याम बाजार
कोलकाता– 700 004
फोन– 033-25551510
मो– 07439359515

➲ लखनऊ ऑफिस
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

आधुनिक युग में उपभोगवादी संस्कृति के पनप जाने से लोगों की मानसिकता में सफलता का अर्थ है अधिक-से-अधिक धन कमाना, भौतिक सुख-सम्पदा जुटाना और प्रसिद्धि हासिल करना, लेकिन महान् विचारकों, दार्शनिकों तथा सफल उद्यमियों का दृष्टिकोण इससे बिलकुल हटकर है और उनके अनुसार सफलता का अर्थ है– प्रतिदिन अपने उस लक्ष्य को पाने की चेष्टा करना, जिसे हमने अपनी रुचि से चुना है और हम अपने विकार रहित व्यक्तित्व के विकास में उपयुक्त समझते हैं. यदि देखा जाए, तो चिंतारहित जीना और दूसरों के हित में उपयोगी बनना ही वास्तविक सफलता है, जिसे हम सार्थक जीवन कहते हैं. ऐसे व्यक्ति ही महान् बनते हैं और हेनरी फ्रैडरिक के शब्दों में "महान् मनुष्य ही वास्तविक मनुष्य होते हैं." उनमें प्रकृति सफल हुई है. किसी अज्ञात ने यह अनमोल बात भी कही है कि 'संसार का सफल व्यक्ति वह है, जिसकी प्रसन्नता सबसे सस्ती है.'

सफलता अपने आप में परिपूर्ण होती है, जो एक प्रकार से एहसास है. यह अन्दरूनी है, बाहरी नहीं. इसे महसूस किया जा सकता है, लेकिन भाँपा नहीं जा सकता. इसका सीधा सम्बन्ध मन की शांति से होता है. वास्तव में सफलता और संतोष (यानी मन की शांति) दोनों साथ-साथ चलते हैं. यदि हम अपने कार्य की सम्पन्नता से पूर्णत: सन्तुष्ट हैं, तो यह हमारी सफलता है, जिसका हम एहसास करते हैं, भले ही बाहरी लोग हमें इतना सफल न मानें.

सकारात्मक दृष्टि से संतुष्ट व्यक्ति को सादगी अधिक प्रिय है. वह 'सिम्बल ऑफ स्टेटस' में कम विश्वास करता है और साथ ही अपनी सफलता का बखान नहीं करता. सफल व्यक्तियों की खूबियाँ स्वत: ही दूसरों को अपनी ओर आकर्षित कर लेती हैं.

सफलता का एहसास आप कब करते हैं?

1. जब आपने सही काम सही ढंग से पूरा करके अपने लक्ष्य की पूर्ति कर ली है.
2. आप यह जानने का प्रयास करते हैं कि किन-किन मुसीबतों का सामना करके आपने ऊँची पदवी पाई है.
3. जब आप अपनी क्षमता की तुलना में अपने ही काम में सुधार लाकर नए रिकॉर्ड बनाते हैं तथा निरंतर उन्नति करते रहते हैं. और यह
4. इस बात से होता है कि आप गिरकर कितनी बार उठते हैं, क्योंकि यह उठने की शक्ति ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है, और
5. सच्ची सफलता का एहसास तब होता है जब आप एक सफल व्यक्ति के रूप में दूसरों का मार्गदर्शन करते हैं अपनी उन गलतियों को बताकर जिनके कारण आपको पिछली बार असफलता मिली, जिससे आप सँभलकर आगे बढ़े.